Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216304
Subject Code : 6461

M.A. (Hindi) 4th Semester

ADHUNIK GADHYA SAHITYA

Paper–XVII

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

खण्ड–क

निम्नलिखित किन्हीं चार गद्यांशों की व्याख्या कीजिए : 6×4=24

1. सत्, चित् और आनंद — ब्रह्म के उन तीन स्वरूपों में से काव्य और भक्तिमार्ग, आनन्द स्वरूप को लेकर चले । विचार करने पर लोक में इस आनंद की अभिव्यक्ति की दो अवस्थाएं पाई जाएंगी — साधृवावस्था और सिद्धावस्था । अभिव्यक्ति के क्षेत्र में ब्रह्म के आनन्द स्वरूप का सतत् आभास नहीं रहता, उसका आविर्भाव और तिरोभाव होता रहता है ।
2. लेकिन पुष्पित अशोक को देखकर मेरा मन उदास हो जाता है । इसलिए नहीं कि सुंदर वस्तुओं को हतभाग्य समझने सें मुझे कोई विशेष रस मिलता है । कुछ लोगों को मिलता है । वे बहुत दूरदर्शी होते हैं । जो भी सामने पड़ गया, उसके जीवन के अंतिम मुहूर्त्त तक का हिसाब वे लगा लेते हैं । मेरी दृष्टि इतनी दूर तक नहीं जाती ।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

3. मेरे पास अब बहुत साल नहीं है जीने को । पर जितने हैं, उन्हें मैं इसी तरह और निभाते हुए नहीं काटूँगी । मेरे करने से जो कुछ हो सकता था इस घर का, हो चुका आज तक । मेरी तरफ से अब यह अन्त है उसका — निश्चित अंत।
4. मैं यहां थी, तो मुझे कई बार लगता था कि मैं एक घर में नहीं, चिड़ियाघर के एक पिंजरे में रहती हूं जहां.....आप शायद सोच सकते कि क्या-क्या होता रहा है यहाँ । डैडी का चीखते हुए ममा के कपड़े तार-तार कर देना.....उनके मुँह पर पट्टी बांधकर उन्हें बन्द कमरे में पीटना.....
5. मुझे भूत-प्रेत आदि का डर लगता था । रम्भा ने मुझे समझाया कि इसकी दवा राम नाम है । मुझे तो रामनाम से भी अधिक श्रद्धा रम्भा पर थी, इसलिए बचपन में भूत-प्रेतादि के भय से बचने के लिए मैंने रामनाम जपना शुरू किया ।
6. हम दोनों जूठी बीड़ी चुराकर पीने और नौकर के पैसे चुराकर बीड़ी खरीदने और फूंकने की आदत भूल गए । फिर बड़ेपन में बीड़ी पीने की इच्छा नहीं हुई । मैंने हमेशा यह माना है कि यह आदत जंगली, गन्दी और हानिकारक है । दुनिया में बीड़ी का इतना जबरदस्त शौक क्यों है, इसे मैं कभी समझ नहीं सका हूँ ।

खण्ड–ख

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** लघु उत्तरापेक्षी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6×4=24

1. 'सौंदर्य की उपयोगिता' के प्रतिपाद्य यानी साहित्य, सौंदर्य और कला के परस्पर सम्बंधों पर टिप्पणी लिखिए ।

2. 'पगडंडियों का जमाना' निबन्ध की निबंध लेखन सम्बंधी विशेषताओं को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत कीजिए ।
3. आधे-अधूरे की कथ्य-चेतना पर टिप्पणी लिखिए ।
4. आधे-अधूरे में किए नए नाट्य प्रयोग पर विचार कीजिए ।
5. आत्मकथाकार यशपाल का सामान्य परिचय दीजिए ।
6. 'मेरी आत्मकथा' के संदर्भ में गान्धी जी के व्यक्तित्व का संक्षिप्त विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए ।

खण्ड–ग

निम्नलिखित में से **दो** दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्नों का उत्तर दीजिए। 16×2=32

1. "काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था" निबन्ध में आचार्य शुक्ल जी के प्रतिपाद्य का विवेचन कीजिए ।

2. 'आधे-अधूरे' के आधार पर मोहनराकेश की नाट्य-भाषा की भाषागत उपलब्धियों का विवेचन कीजिए ।

3. आत्मकथा कला के आधार पर "मेरी आत्मकथा" का मूल्यांकन कीजिए ।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216304
Subject Code : 6462

M.A. (Hindi) 4th Semester

HINDI BHASHA AUR DEVNAGRI LIPI

Paper—XVIII

Time Allowed—Three Hours] [Maximum Marks—80

भाग—I

नोट :— किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

1. लौकिक संस्कृत का तात्पर्य स्पष्ट कीजिये।
2. प्राकृत भाषाओं के स्वरूप को समझाइये।
3. अपभ्रंश का अर्थ बताएं एवं दो विशेषताएं बताएं।
4. अपभ्रंश की एक बोली की तीन विशेषताएं बताएं।
5. पश्चिमी हिन्दी की तीन विशेषताएं बताएं।
6. एक मध्यकालीन आर्य भाषा की स्थिति स्पष्ट करें।
7. राजस्थानी हिन्दी के तीन क्षेत्रों का परिचय दीजिये।
8. पश्चिमी हिन्दी के क्षेत्रों को रेखांकित कीजिये।
9. हिन्दी की भाषिक यात्रा के पड़ावों को स्पष्ट कीजिये।
10. हिन्दी उपसर्ग की कितनी कोटियां हैं ? स्पष्ट कीजिये।
11. समास को परिभाषित कीजिये।
12. पदक्रम क्या होता है ? स्पष्ट कीजिये।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

भाग—II

नोट :— किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

1. देवनागरी लिपि का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी वैज्ञानिकता पर एक सारगर्भित लेख लिखिये।
2. भूमंडलीयकरण के दौर में हिन्दी की स्थिति पर एक सारगर्भित लेख लिखिये।
3. सुनीति कुमार चैटर्जी के अनुसार आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण कीजिये।